JAG-001-001303 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

November - 2019

Hindi : Paper - 5

(Chhyawadi Kavya - Vaibhav)

(Core) (Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001303

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्न के अंक समान है ।
(२) सभी प्रश्न के उत्तर देना अनिवार्य है ।

१ जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ 'बीती विभावरी जागरी' कविता में प्रकृति शृँगार और राष्ट्रीयता का त्रिवेणी संगम हुआ है । समझाइए । १४

२ 'हिमाद्री तृङ्ग – शृँङ्ग से' काव्य का भावार्थ लिखिए । १४

अथवा

२ 'प्रथम रश्मि' काव्य का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए । १४

३ 'जागो फिर एकबार' काव्य का मध्यवर्ती विचार स्पष्ट करते हुए उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

३ 'वह तोड़ती पत्थर' काव्य का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए । १४

४ महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा कीजिए । १४

अथवा

४ 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' काव्य में प्रस्तुत रहस्यवाद । १४

५ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं **दो**) १४
(१) 'भारत देश' काव्य का भावार्थ ।
(२) 'भिक्षुक' शीर्षक सार्थकता ।
(३) 'ताज' काव्य का मध्यवर्ती विचार ।
(४) पंतजी के पठित काव्यों की भाषा शैली ।